[Mr. Deputy-Speaker]

"That this House concurs in the recommendation of Rajya Sabha that Lok Sabha do appoint a member to the Joint Committee of the Houses on the Visva-Bharati (Amendment) Bill, 1978, in the vacancy caused by the resignation of Shri A. A. Rahim and resolves that Shri Ahmed Mohammed Patel be nominated to the said Joint Committee to fill the vacancy."

The motion was adopted.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

FORTY-THIRD REPORT

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, SPORTS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BUTA SINGH): I beg to move:

"That this House do agree with the Forty-third Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 21st March, 1983."

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That this House do agree with the Forty-third Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 21st March, 1983."

The motion was adopted.

13.15 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) LOW INVESTMENT IN THE NORTHERN REGION BY ANDHRA AND CANARA BANKS

श्री कृष्ण प्रकाश तिवारी (इलाहाबाद): मान्यवर, समूचे उत्तर भारत में आन्ध्र बैंक तथा कैनरा बैंक की एवं अन्य दक्षिण भारतीय बैंकों की अनेक शाखायें हैं जिनमें उत्तर भारत के नागरिकों का करोड़ों रुपया जमा है किन्तु आश्चर्य है कि सभी नियमों की अवहेलना करके दक्षिण भारतीय बैंक जिस अनुपात में उत्तर भारत के नागरिकों का धन जमा है उसके अनुपात में बहुत कम इनवेस्टमेंट उत्तर भारत में करते हैं तथा कर्जा भी उत्तर भारत में कम देते हैं बल्कि उत्तर भारत में जमा धनराशि का उपयोग अन्यत्र करते हैं जो मान्य सिद्धांतों के प्रतिकूल है।

मेरी वित्त मंत्री जी से अपील है कि वे यह सुनिश्चित करें कि जिस अनुपात में उपरोक्त बैंकों की उत्तर भारत स्थित शाखाओं में धन जमा है उसी अनुपात में उसका इनवेस्टमेंट उत्तर भारत में हो तथा यहां के नागरिकों को लोन भी दिया जाये।

(ii) HEADQUARTERS OF THE GANDHAMARDAN BAUXITE PROJECT

SHRI RASABEHARI BEHRA (Kalahandi): Under Rule 377 I make the following statement:

Government of India has taken up the programme for the exploitation of the huge deposits of bauxite from the Gandhamardan hills of Bolangir in Western Orissa. Public sector units like NALCO and BALCO are preparing schemes to undertake the exploitation programme. It is revealed from a survey made by Government of India that a large number of mineral based industries will come up if those bauxite mines are exploited. Whole of Orissa can be benefited on implementation of the above programme.

But it is a matter of surprise that efforts are being made to establish the headquarters of the above Gandhamardan bauxite project at Raipur in Madhya Pradesh. There will be many irregularities in regard to recruitment and day to day official business if the head office is situated in a different state. Proper justice cannot be given to the employees who will undertake different assignments in those

mines. The workers will also face a lot of problems.

In view of this, I urge the Government of India to open the headquarters of the Gandhamardan bauxite project at Harishankar or Paikmal in Orissa.

(iii) NEED TO TAKE EFFECTIVE MEASURES AGAINST LOOTING OF BANKS

श्री टी० एस० नेगी (टिहरी गढ़वाल) : मान्यवर, देश के बैंकों का जब से राष्ट्रीयकरण हुआ है तब से बराबर चोरियां, डकैतियां एवं घोटालों के मामले हजारों की तादाद में सरकार के सामने आये हैं लेकिन बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि कोई भी कारगर कदम सरकार ने अभी तक नहीं उठाया है। पिछले वर्ष सरकारी बैंको की 70 शाखाओं में डाके पड़े और डकैत उप-वित्त मंत्री के अनुसार डेढ़ करोड़ रुपए और नगदी लूट ले गये। हर वर्ष बैंक डकैतियां एवं चोरियां बढ़ती ही जा रही हैं। तब यह कैसे मान लिया जाये कि बैंकों की डकैतियां रोकने के लिए सरकार सतर्कता बरत रही है। क्या अन्धाधुन्ध कमाई करने वाले बैंकों के लिए यह सम्भव नहीं है कि बही खाते लिखने वाले दर्जनों कर्मचारियों की नियुक्ति के साथ-साथ एक दो उनकी रक्षा के लिए गार्डों की भी नियुक्ति करें ? यह करना चाहिये। कई बैंकों में डकैतियां ऐसी पड़ी हैं जिनसे पता चलता है कि बैंक कर्मचारियों की ओर से डकैतों को प्रत्यक्ष या परोक्ष सह देने की सम्भावना है। जहां कोई आदमी जा नहीं सकता वहां अनजाने डकैत कैसे पहुंच कर डकैती डाल कर चले जाते हैं। और यह डकैत उसी समय आते हैं जब बैंक में ग्राहक नहीं होते हैं।

दूसरी तरह से भी बैंकों से धन लूटा जा रहा है फर्जी कागजातों के बल करोड़ों रुपयों का घपला किया जा रहा है। बैंकों को बाहरी एवं अन्दरूनी दोनों तरह की सुरक्षा की आवश्यकता है जिसका ताजा उदाहरण अभी हाल में एक बैंक में दो करोड़ रुपए की हेराफेरी का पता चला है जिसमें बैंक के एक अधिकारी का ही दोष है। यह लोक महत्व का मामला है इस पर सरकार को तुरन्त कार्यवाही करने से कतराना नहीं चाहिये।

(iv) ACCIDENTS IN SAUNDA COLLIERY IN BIHAR AND COMPENSATION TO HEIRS OF THE DECEASED.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर): उपाध्यक्ष महोदय बिहार के हजारीबाग जिलान्तर्गत सौंदा कोलियरी में श्रमिक संगठन के मांग एवं आन्दोलन करने के बावजूद भी मैनेजमेंट द्वारा खान-सुरक्षा की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है' फलस्वरूप बराबर खान-दुर्घटनायें घट रही हैं और मजदूर मर रहे हैं।

एक घटना 16-7-82 को घटी जिसमें एक मजदूर मारा गया, जब कि उस घटना के पहले ही 12-7-82 को मजदूरों ने प्रदर्शन कर खान सुरक्षा की मांग की थी। बजाय खान सुरक्षा पर ध्यान देने के मैनेजमेंट ने यूनियन के सचिव को निलम्बित कर दिया। पुनः 16-8-82 को दूसरी घटना घट गई और उसमें भी मजदूर मरे।

उस घटना के पहले भी मजदूरों ने लिखकर दिया था कि घटना घटी सकती है। उसके बाद पुनः घटना घटी जिसमें एक मजदूर मारा गया। अभी ताजी घटना 18-3-83 को घटी, जिसमें एक मजदूर मर गया और दूसरा गंभीर रूप से घायल हुआ। उसकी भी हालत चिन्ताजनक है। मैं 19-3-83 को वहां गया था। मजदूरों ने मुझे बताया कि वे लोग खान की स्थिति को देखकर काम पर जाने से इन्कार कर दिये थे लेकिन मैनेजमेंट ने जबर्दस्ती दबाव डालकर मजदूरों